कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर

का०वि०/प्रशा०/का०प०/1079/94 दिनांक: 18 अगस्त, 1994

कार्यपरिषद वर्ष, 1994 की चतुर्थ बैठक दिनांक 10-7-94 समय प्रातः 10.30 बजे, स्थान कुलपति आवास में सम्पन्न हुई।

उपस्थित सदस्य

1.	डा० विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, कुलपति	अध्यक्ष
2.	डा० ए०के०वशिष्ठ	सदस्य
3.	डा० यतीन्द्र तिवारी	"
4.	डा० ओम शंकर श्रीवास्तव	"
5.	डा० आशा रानी राय	"
6.	डा० वी०एन० सेठ	"
7.	डा० दिनेश वर्मा	"
8.	श्री जगेन्द्र स्वरूप	"
9.	" रमेश कुमार सक्सेना	"
10.	" श्रीकान्त बाजपेई	"
11.	" पी०सी०मेहरोत्रा	"
12.	श्रीमती सुशीला रोहतगी	"
13.	श्री वी०डी०गुप्ता	"
14.	कुलसचिव	सचिव

कार्य विवरण

कुलपति महोदय ने बैठक प्रारम्भ होने से पूर्व परिषद के नवागत सदस्यों का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय के सर्वतोमुखी विकास की दिशा में उनसे सहयोग की कामना की।

कुलपति महोदय ने निवर्तमान सदस्यों को भी उनके सदस्य रूप में किये गये योगदान के लिए परिषद की ओर से उन्हें धन्यवाद प्रदान किया।

मद सं०-1 कार्यपरिषद की दिनांक 6-4-94 तथा 29-4-94 की बैठकों के कार्य विवरण की समुष्टि।

कार्यपरिषद ने सर्वसम्मति से कार्यपरिषद की बैठक दिनांक 6-4-94 तथा 29-4-94 की कार्यवाहियों की पुष्टि की।

कार्यपरिषद ने यह भी निर्णय लिया कि कार्यपरिषद की कार्यवाहियाँ मुद्रित कराई जाए।

मद सं०-2 परिषद की विगत दो बैठकों दिनांक 6-4-94 तथा 29-4-94 में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की सूचना पर विचार:

कार्यपरिषद अपनी बैठक दिनांक 6-4-94 तथा 29-4-94 में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की सूचना से अवगत हुई।

मद सं0-3 कतिपय शोधार्थियों को शोधोपाधि दिये जाने की स्वीकृति पर विचार:

कार्यपरिषद ने सर्वसम्मति से विभिन्न संकायों के शोधार्थियों को शोधोपाधि निम्नांकित विवरण के अनुसार प्रदान किये जाने की स्वीकृति प्रदान की:

शोधार्थियों की सूची

List of Research Candidate's for the approval of Executive Council Committee to be held on 10.7.94 at 10.30 A.M.

S.No.	Name of candidate	Subject	Topic	Viva held on
1.	Smt. Sadhna Harsh	English	'A study of D.H. Lawrence as a short story writer with special reference tothemes and technique'	9.5.94
2.	Km. Aparna Halder	Education	' Summary School Children and their reajing habits class-IV to Class VIII'	12.5.94
3.	Sri Ramanand Agnihotri	Chemistry	'A study of the clarification of molasses vis-a-vis recovery of extra sugar and production of edible syrup'	13.5.94
4.	Sri Vinod Pravin Sharma	"	'Synthesis and Toxicological evalnation of New plasticizers stabilizers for plastics.	16.5.94
5.	Km. Trapthi Mohani Agrwal	Sociology	'स्वतंत्रता-संग्राम सेनानियों का सामाजिक परिवेश'	16-5-94
6.	Sri Kapil Deo Dwivedi	A.I. History	प्राचीन पंचाल जनपद के इतिहास के स्रोत"	16-5-94
7.	Sri Brajendra Kumar Yadav	Agril. Eco.	'Role of Institutional credit in increasing income and employment of farmer's in Azamgarh District(U.P.)	23-5-94
8.	Km. Meenakshi Gurha	Sanskrit	"बृहदारण्यक उपनिषाद् में तत्व विज्ञान"	23-5-94
9.	Sri Pradeep Kumar Dixit	Sanskri	" कालिदास साहित्य में भाव चित्रण एक अध्ययन"	26.5.94
10.	Km. Sudha Srivastava	Sanskrit	" रीति सिद्धान्त एवं शैली तत्व "	26.5.94
11.	Dr. S.K. Datta D.Sc.	Botany	'Induction and Analysis of somatic mutations in vegetatively propagated ornamentals.	27.5.94
12.	Mrs. Uma Tandon	Education	'A comparative study of selfconcept among high and normal I.Q. Adolescents in relation to creativity sex and academic achievement.'	28.5.94

---(3)

S.No.	Name of candidate	Subject	Topic	Viva held on
13.	Km.Madhurima	Edu.	'A study of value pattern of teacher trainees in the training colleges.'	28-5-94
14.	Sri Atul Tiwari	Chemistry	'Synthesis and Characterisation of resole modified epoxy resin.'	30.5.94
15.	Smt.Parineeta Shukla	Psychology	'Effects of Marriage, educational qualification and levels of employment on Job-satisfaction among young Indian Lady teachers.'	30.5.94
16.	Sri Shamboo Dyal Dwivedi	Hindi	'Hindi ke Aithasika khanda kavyun men Abbhivyakta jeevan darshan.'	30.5.94
17.	Smt.Shushila Gupta	Hindi	"हिन्दी लघुकथा का वस्तुगत और शिल्पगत अध्ययन	30-5-94
18.	Sri Dinesh Chandra Katiyar	Mil.St.	"भारत के पश्चिमी ------ अध्ययन	3-6-94
19.	Dr.O.P.Misra, D.Litt	Economics	'A comparative study of Gandhian and Nehruvian Economics.'	30.6.94
20.	Km. Sumodni Bajpai	Sanskrit	"कृष्ण कथा का उद्भव और विकास	3-6-94
21.	Smt. Krishna Chauhan	Zoology	'Studies on Biology and control measures of Chloropulvinari psidii(Coccidae:Homopaera) on pointed Gourd(Trichogenthees Disic ROXB)	4.6.94
22.	Km.Neelam Agarwal	Commerce	"उ0प्र0 में प्राथमिक ---- अध्ययन	4-6-94
3.	Sri Surya Kumar Misra	Horti.	'Studies on the yield and quality of betel leaves as influenced by differential application of nitrogen phosphorus and potassium fertilizers.	6.6.94
4.	Smt.Malti Tripathi	Geography	'Woonnliyrtaey Woonnliteracy in Uttar Pradesh a Geographical study in development perspective)	7.6.94
.	Km.Mamta Saxena	Drg.Ptg.	"अजन्ता व राजस्थानी--- अध्ययन	8-6-94
.	Km.Neelima Chaturvedi	Sanskrit	"महामहोपाध्याय पं0 गिरधर शर्मा ------- आयाम	8-6-94
.	Km.Neelam Dixit	Sanskrit	"संस्कृत साहित्य में श्री राम-- अनुशीलन	8-6-94
.	Sri P.Kotteeswaran	Chemistry	'Studies of regeneration of exchange resins by electro chemical method.'	9.6.94
.	Km.Alka Mehrotra	Chemistry	'To study the properties of liquid crystalline polyester with flexible spacer.'	9.6.94
	Km. Poonam Misra	Hindi	"समाजशास्त्रीय दृष्टि--- अध्ययन	10-6-94
	Sri Surendra Pd. Dwivedi	Hindi	"ऊषा प्रियम्वदा के कथा--- अनुशीलन	13-6-94

S.No.	Name of candidate	Subject	Topic	Viva held on
32.	Smt.Manorama Awasthi	Education	'A study of application of corporate management in educational administration in India.'	14.6.94
33.	KmRozi Paddey	Economics	' सामयिक वादों के अ--------अध्ययन	14-6-94
34.	Km.Preeti Chandra	Botany	'Studies of Sex-Expression and Morpho-Genetical parameters in Papaya (Cavica papaya L.)'	15.6.94
35.	Km.Madhurima Misra	Botany	'Cytogenetical and Rendanbiological investagations in two species of vigna.'	15.6.94
36.	Sri Atul Pandey	Hort.	'Studies on the effect of plant growth regulators on growth.flower size yield and longivity of cut flowers of Bize and small size of corms of gladiolus(Gladiolus Psittacines)'	16.6.94
37.	Sri Ram Tayan Singh	Geography	' The Geographical Analysis of Human settlements as a Base for Balanced Regional Development: A case study of Sagri Tahsil of Azamgarh Distt. in Uttar Pradesh.'	16.6.94
38.	Sri A.K.Srivastava	Agril. Chem.	'Studies on the variability in chemical composition of brassica Germplasm.'	17.6.94
39.	Km.Pooja Bartaria	Chemistry	'Studies on surface treatment of pigments for surface coatings.'	19.6.94
40.	Smt.Reeta Kahara	Pol.Sc.	'Gulf War and its impact on west Asian Politics.'	19.6.94
41.	Sri Sarvesh Kumar Dubey	Ag.Chem.	'Effect of phosphateoglubil izing bacteria (P.S.B) as co-inoculant with Bredyrhizobiumjaponicum on soyvean under different sources of phosphorus.'	19.6.94
42.	Smt.Sadhana Misra	Education	' A comprative study if the personality (Self confidence security/ in security & leave of aspiration, differences of adolaents of indian majority and minority communities.'	20.6.94
43.	Sri Sanjay Tiwari	Sociology	"समकालीन भारतीय-------- अध्ययन	27-6-94
44.	Km.Usha Srivastava	Sociology	"कानपुर महानगर---अध्ययन	27-6-94
45.	Km.Beena Misra	Hindi	"बृजभाषा जीवनी साहित्य का अनुशीलन	27-6-94
46.	Km.Suman Katiyar	Chemistry	'Study of elastomer modified Bismaleimide Resins.'	28.6.94
47.	Raja Ram Ram	Hort.	Standardization of some Biochechnological Approac for the production of Vir(Free Parenuial Carnations(Dianthus Caryophyllus L.)	29.6.94
48.	K.P.Asati	Hort. 29.6.94	Effect of planting Geomet:Bulb Size & planting Dates on Growth Yield & Quality of seed & Determination of selection Indices in (Allicepa L.)	
49.	Smt.Seema Verma	Pol.Sc. 29.6.94	'The Impact of Indian Parliment on India's Foreign Policy(1946-1964).	

...(5)

0.	S.C.Pathak D.Litt.	Sanskrit	" पूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण में पतंजलि	29-6-94
1.	Smt.Munni Devi	Hindi	"आधुनिक हिन्दी--अनुशीलन	2-7-94
2.	Km.Archana Tripathi	Chem.	Studies on the-----Metal Ch -etate (Synthetic ' Bacterio	4.7.94
3.	Bijendra Singh	Horti.	Study on------Ladys's finge	4.7.94
4.	U.C.Tripathi	Agi.Eco.	Analysis-----Etawah(U.P.)	5.7.94
5.	R.P.Chakra-varty	Hindi	"हिन्दी के आंचलिक---चित्रण	6-7-94
.	Km.Rachana Saxena	Chem.	Kinetics and-----Bromomosuccinimide.	7.7.94
7.	Km.Charul Kanchan	Bot.	'Studies on-----Millsp)	8.7.94
8.	Sri Sher Singh	Bot	'Studies on------Bermatophytes	8.7.94
9.	Km.Ranjan Dubey	Sans.	"विष्णु स्मृति का विवेचनात्मक--------अध्ययन	8-7-94

Sd/- Dr.R.S.Bansal
Registrar
8.7.94

मं0-4 श्री भगवती प्रसाद, अनुचर की प्रार्थना पर विचार:

कार्यपरिषद ने श्री भगवती प्रसाद, अनुचर की सेवा निवृत्ति के सम्बन्ध में कार्यालय आदेश सं0 का0वि0/प्रशा0/64/94 दिनांक 12-4-94 के संदर्भ में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि श्री भगवती प्रसाद, अनुचर से सेवा निवृत्ति तिथि 12-4-94 तक कार्यालयीय कार्य लिया गया है। इसलिए अधिवर्षता आयु के बाद किये गये कार्य के फलस्वरूप वेतन एवं अन्य भत्ते आदि के भुगतान की वसूली का विधिक सम्मति के अनुसार औचित्य नहीं पाया गया।

अतः परिषद ने श्री भगवती प्रसाद को दिनांक 1-8-89 से 12-4-94 तक अधिक की गई सेवा के लिए भुगतान किये गये वेतन आदि की वसूली किये जाने से मुक्त करना स्वीकार किया।

मं0-5 श्री पी0एल0यादव के पत्र के सम्बन्ध में विचार।

प्रस्ताव वापस लिया गया।

मं0-6 वित्त-समिति की बैठक दिनांक 2-7-94 की संस्तुतियों पर विचार:

कार्यपरिषद ने वित्त-समिति की बैठक दिनांक 2-7-94 की निम्नांकित संस्तुतियों को यथावत स्वीकार किया:

"वित्त-समिति की दिनांक 2-7-94 को सुबह 12 बजे मध्यान्ह कुलपति कार्यालय कक्ष में आहूत बैठक की कार्यवाही:

उपस्थिति

1- डा0वि0वि0नाथ उपाध्याय, कुलपति एवं अध्यक्ष
2- डा0बी0एस0एस0सेना, 13/392ए, सिविल लाइन्स, कानपुर, सदस्य
3- डा0रा0प्र0 पंसल, कुलसचिव एवं पदेन
4- डा0रा0प्र0 बंसल, कार्यवाहक, वित्त-अधिकारी एवं पदेन सचिव

कार्यवाही

मं0-1: वित्त-समिति की पिछली बैठक दिनांक 22-1-94 की कार्यवाही का समुष्टिकरण।

वित्त-समिति ने अपनी बैठक दिनांक 2-1-94 की कार्यवाही को सम्पुष्ट किया।

मद सं0-2 विश्वविद्यालय परीक्षा कार्य हेतु एक वाहन क्रय करने पर विचार:

कुलसचिव ने वित्त-समिति के सदस्यों को अवगत कराया कि परीक्षा के समय सभी परीक्षा केन्द्रों को प्रश्न-पत्रों का प्रेषण, उत्तर-पुस्तिकाओं का प्रेषण एवं केन्द्रीय सामग्रियों के प्रेषण तथा प्रवेश, पत्रों एवं प्रैक्टीकलों के प्रेषण में किराये पर गाड़ियां लेकर कार्य सम्पन्न कराना पड़ता है जिसमें लगभग रुपये तीन लाख का व्यय होता है। कभी-कभी आवश्यकतानुसार वाहन भी शीघ्र उपलब्ध नहीं हो पाते, जिससे गम्भीर समस्या उत्पन्न हो जाती है। अतः विश्वविद्यालय कार्यहित में यह प्रस्तावित है कि एक डी0सी0एम0 टोयोटा बन्द (अल्यूमीनियम) बॉडी की 7 व्यक्ति क्षमता वाली गाड़ी खरीदे जाने पर विचार किया जाए, जिससे उपरोक्त समस्त परीक्षा सम्बन्धी समस्त कार्य शीघ्र व आसानी से सम्पन्न हो सके। इस कार्य में कार्यालय द्वारा विभिन्न फर्मों से आमंत्रित प्रस्तावों एवं विवरणों को समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया गया। समिति ने विचारोपरान्त यह निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय परीक्षा कार्यहित में एक डी0सी0एम0-टोयोटा-बन्द (अल्यूमीनियम) बॉडी की गाड़ी जिसकी दर रु0 4,38,990/- तथा इन्शोरेन्स अतिरिक्त, क्रय कर ली जाए तथा इस गाड़ी को वर्तमान चालकों में से ही चलवाया जाए। अलग से कोई चालक की नियुक्ति न की जाए। यह भी संस्तुत किया कि क्रय के पूर्व कार्यपरिषद से अनुमोदन भी प्राप्त कर लिया जाए। इसके साथ ही वर्ष 1994-95 के आय-व्यय में आवश्यकतानुसार धनराशि की व्यवस्था भी की जाए।

मद सं0-3 अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मद पर विचार:-

(1) विश्वविद्यालय के वर्ष 1994-95 के आय-व्ययक में भवन निर्माण अग्रिम हेतु रु0 10 लाख के प्राविधान में रु0 75 हजार के अतिरिक्त वृद्धि करने पर विचार।

समिति को अवगत कराया गया कि वर्ष 1994-95 के आय-व्ययक में कर्मचारियों के भवन ऋण के मद में रु0 10 लाख का प्राविधान था जिसका सम्पूर्ण भुगतान किया जा चुका है। कुछ कर्मचारी ऐसे हैं जिनका भवन निर्माण धनाभाव के कारण अवशेष देय किश्तों के भुगतान न होने के कारण अवरुद्ध है अतः रु0 75 हजार के अतिरिक्त प्राविधान करने पर समिति ने विचार किया और यह निर्णय लिया कि इन परिस्थितियों में कार्यालय के प्रस्तावानुसार कर्मचारियों को उनके नामों के सम्मुख अंकित धनराशि 4,00,000 की स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के साथ किया जाए कि सम्पूर्ण योग रु0 75 हजार से अधिक नहीं हो। साथ ही इस वित्तीय वर्ष में अब किसी भी आवेदन पत्र पर विचार न किया जाए और न ही उसे वित्त समिति के विचारार्थ प्रस्तुत किया जाए। समिति ने यह भी संस्तुति की कि इस प्रकरण को भी कार्यपरिषद के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जाए।

(2) विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन कला भवन के निर्माण हेतु रु0 2 लाख के अतिरिक्त प्राविधान किये जाने हेतु अधिशासी अभियन्ता की टिप्पणी दिनांक 17-6-94 पर विचार:

समिति ने विचारोपरान्त यह निर्णय लिया कि वर्ष 1994-95 के आय-व्ययक में रु0 2,00,000/= का प्राविधान पहले ही कर दिया गया है। अतः इस धनराशि को पहले खर्च किया जाए। आवश्यकता पड़ने पर पुनरीक्षित आय-व्ययक में रु0 2 लाख का अतिरिक्त प्राविधान कर लिया जाए।

(3) कार्यालय में काष्ठोपकरण एवं अन्य उपकरण के क्रय हेतु रु0 70 हजार के अतिरिक्त प्राविधान पर विचार:

—§7§

समिति को अवगत कराया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में काष्ठोपकरण एवं उपस्करण के मद में रू0 1.5 लाख का प्राविधान किया गया था। कार्यालय में लगभग 160 मेजे एवं 250 कुर्सियाँ टूटी पड़ी है जिसके मरम्मत की माँग एवं नई मेजे, कुर्सिया, अलमारियाँ आदि के क्रय की माँग की जा रही है। आवश्यकता को देखते हुए 250 कुर्सियाँ एवं 160 मेजों के मरम्मत एवं कुछ नई मेजों क्रय कर विभागों को निर्गत किया जा चुका है तथा प्राविधानित धनराशि लगभग समाप्त हो गई है। किन्तु अलमारियों का क्रय नहीं हो पाया है। समिति ने विचारोपरान्त यह संस्तुति की कि कार्य की आवश्यकता को देखते हुए इस वित्तीय वर्ष में मात्र 30 अलमारियों को क्रय किया जाए, जिसके लिए सम्भावित धनराशि रू0 70 हजार के अतिरिक्त प्राविधान पुनरीक्षित आय-व्ययक में कर लिया जाए।

§4§ श्री ए0के0गोयल, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट के मानदेय की वृद्धि से सम्बन्धित उनके प्रार्थना-पत्र पर विचार:

समिति ने श्री ए0के0गोयल, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट के प्रार्थना पत्र में उल्लिखित तथ्यों तथा वित्त अधिकारी की संस्तुति पर विचार करते हुए यह निर्णय लिया कि रू0 500/=§रुपया पाँच सौ§ मात्र प्रतिमाह की अतिरिक्त वृद्धि उनके मानदेय में कर दी जाए।

§5§ कर्मचारियों के मोटर साइकिल/स्कूटर ऋण के माँग-पत्र एवं ऋण की धनराशि रू0 6000/= से बढ़ा कर रू0 15000/= किये जाने सम्बन्धित कर्मचारी संघ/परिषद के माँग-पत्र पर विचार:

समिति ने विचारोपरान्त यह पाया कि वर्तमान दर रू 6000/= के स्थान पर रू0 15000/= मोटर साइकिल/स्कूटर क्रय के लिए ऋण दिये जाने की माँग औचित्यपूर्ण नहीं है। समिति ने यह निर्णय लिया कि रू0 6000/= प्रति कर्मचारी के स्थान पर रू0 10,000/= प्रति कर्मचारी की दर से अग्रिम भुगतान किया जाए किन्तु आय-व्ययक में एतदर्थ प्राविधानित धनराशि में किसी भी प्रकार की वृद्धि न की जाए।

बैठक के अन्त में कुलपति जी ने अवगत कराया कि इस समय विश्वविद्यालय लगभग रू0 1.30 करोड़ के बचत में है जबकि वर्ष 1994 की परीक्षा का लगभग रू0 3 करोड़ शुल्क आना अभी बाकी है। वित्तीय स्थिति के सुदृढ़ करने में श्री के0डी0सिंह, उप-कुलसचिव§वित्त§ का सराहनीय योगदान रहा है जिन्होंने बैंक के माध्यम से व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के परीक्षा आवेदन-पत्रों की बिक्री एवं शुल्क संग्रह के कार्य की लाभकारी योजना का कार्यान्वयन किया।

समिति द्वारा श्री सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की गई।

ह0/=डा0राधेश्याम बंसल
कार्यवाहक वित्त अधिकारी
एवं सचिव 6-7-94

ह0/-डा0विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
कुलपति एवं अध्यक्ष
6-7-94

-7 विश्वविद्यालय में कार्यपरिषद द्वारा अनुमोदित वेतन योजना लागू किये जाने के सम्बन्ध में कर्मचारी संघ तथा परिषद के सामूहिक प्रतिवेदन पर विचार:

कार्यपरिषद ने कर्मचारी संघ/कर्मचारी परिषद के सामूहिक प्रत्यावेदन दिनाँक 23-5-94, जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को सेवा निवृत्तिक लाभों की स्वीकृति चिकित्सक

शासनादेश सं0 6895/15§15§1983-46§7§/92 दिनांक 24 जनवरी, 1984 के अनुपालन में विश्वविद्यालय कर्मचारियों ने अपना विकल्प पत्र भर दिया था परन्तु किन्हीं कारणों से सम्बन्धित अन्य औपचारिकताएँ निर्धारित अवधि में पूर्ण नहीं हो पायीं। ये विकल्प पत्र अब उपलब्ध हो गये हैं, जिन्हें स्वीकार करने का अनुरोध किया गया है।

परिषद ने विचारोपरान्त यह निर्णय लिया कि अब विकल्प पत्र उपलब्ध हो जाने के फलस्वरूप शासनादेश दिनांक 24-1-84 के अनुपालन में भरे गये विकल्प पत्र को स्वीकार किया जाए एवं कार्यपरिषद की बैठक दिनांक 8-11-93 द्वारा पेंशन निधि सम्बन्धी जो परिनियमावली तैयार की गई है, के अनुसार शेष पेंशन सम्बन्धी अन्य कार्यवाही तत्काल प्रारम्भ की जाए। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि माह जुलाई, 1994 से अंशदायी भविष्य निधि में विश्वविद्यालयीय अंशदान की जो धनराशि भुगतान की जाती है, उसमें से पेंशन योजना स्वीकार करने वाले कर्मचारियों की धनराशि से पेंशन का एक अलग खाता खोला जाए एवं इस धनराशि को अब पेंशनरी अंशदान सम्बोधित किया जाए।

इस योजना के क्रियान्वयन की मानीटरिंग हेतु डा0पी0सी0मेहरोत्रा को अधिकृत किया गया।

सं0-8 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की पारिश्रमिक दरों में संशोधन हेतु कर्मचारी परिषद के पत्र पर विचार:

परिषद को अवगत कराया गया कि उ0प्र0शासन ने अपने कार्यालयों में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का पारिश्रमिक शासनादेश सं0 जी02-353/दस-14-301/85 दिनांक 30-3-94 द्वारा समूह "ब" §चतुर्थ श्रेणी§ के कर्मचारियों की पारिश्रमिक दर रू0 25/= प्रतिदिन से बढ़ा कर रू0 35/= तथा समूह "ग" के कर्मचारियों के लिए रू0 30/= से बढ़ा कर रू0 40/= प्रतिदिन निर्धारित किया है।

इस सन्दर्भ के आधार पर परिषद ने विश्वविद्यालीय दैनिक वेतन कर्मचारियों का पारिश्रमिक तदनुरूप परिवर्तित करना स्वीकार किया। यह निर्णय जुलाई, 1994 से प्रभावी होगा।

0-9 डा0 बाल प्रभाकर सिंह, परियोजनाधिकारी, प्रौढ़ शिक्षा के वेतन संरक्षण के सम्बन्ध में विचार:

परिषद ने प्रार्थित वेतन संरक्षण की माँग को सम्प्रति स्थगित किया।

0-10 श्री पी0एल0यादव, वित्त अधिकारी द्वारा प्रेषित शिकायती पत्रों पर विचार:

प्रस्ताव वापस लिया गया

----§2§

द सं0-11 बी0एड0 प्रवेश परीक्षा के पारिश्रमिक दरों में संशोधन पर विचार:

कार्यपरिषद ने बी0एड0 प्रवेश परीक्षा हेतु विभिन्न पारिश्रमिक दरों को निम्नांकित रूप में संशोधित किया जाना स्वीकार किया। संशोधित दरें निम्नवत है, जो 1994 की प्रवेश परीक्षा से प्रभावी होंगी:

§1§ केन्द्राध्यक्ष तथा पर्यवेक्षक	रू0 125=00 प्रति पाली
§2§ सहायक केन्द्राध्यक्ष	रू0 56=00 " "
§3§ कक्ष निरीक्षक	रू0 37=50 " "
§4§ वाटर मैन	रू0 15=00 " "
§5§ तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	रू0 1=00 प्रति छात्र
§6§ प्रासंगिक व्यय	रू0 1=00 " "

सं0-12 श्री लाल सिंह के आवेदन पत्र, जिसके द्वारा उन्होंने गेस्टेटनर आपरेटर के उच्च वेतनमान के पद के सृजन एवं उक्त सृजित पद पर उनकी नियुक्ति की माँग पर विचार:

कार्यपरिषद ने प्रकरण को शासन को संदर्भित करने का निर्देश दिया।

i0-13 विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित प्रस्तावित अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ स्थापित किये जाने पर विचार:

आरक्षण अध्यादेश लागू हो जाने से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस प्रकोष्ठ की स्थापना का औचित्य न रह जाने की स्थिति में कार्यपरिषद ने सर्वसम्मति से निश्चय किया कि अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ की स्थापना न की जाए।

-14 कतिपय पदों पर नियुक्ति हेतु चयन-समिति की संस्तुतियों की स्वीकृति पर विचार:

चयन-समिति की संस्तुतियों का लिफाफा खोलने के पूर्व नियुक्तियों के सम्बन्ध में कतिपय सदस्यों ने उन्हें प्राप्त शिकायतों की चर्चा की।

विचार-विमर्श के अनन्तर परिषद ने इन संस्तुतियों के सम्बन्ध में प्राप्त आवेदन पत्रों तथा प्रक्रिया के सम्बन्ध में जाँच हेतु एक समिति गठित की जो समस्त पक्षों पर विचार कर अपनी संस्तुति कुलपति को देगी तथा कुलपति उक्त संस्तुति के अनुसार आदेश पारित करेंगे। समिति में निम्नांकित सदस्य नामित किये गये:

1- श्री जगेन्द्र स्वरूप
2- डा0 यतीन्द्र तिवारी
3- डा0पी0सी0मेहरोत्रा

5 श्री रामानन्द कुशवाहा के पत्र जिसके द्वारा उन्होंने पुस्तकालय सहायक का वेतनमान संशोधित किये जाने की माँग पर विचार:

परिषद को कार्य वर्धीकरण समिति के एक सदस्य ने अवगत कराया कि

----§10§

श्री रामानन्द कुशवाहा के काम न करने तथा दिन भर घूमते रहने की शिकायत मिली है।

परिषद ने श्री रामानन्द कुशवाहा के कार्यों के मूल्यांकन कराये जाने का निर्देश दिया।

मद सं0-16 बी0एस0एस0डी0कालेज, कानपुर में एम0बी0ए0 कक्षाएँ प्रारम्भ किये जाने की अनुमति हेतु उनके पत्र पर विचार:

परिषद ने बी0एस0एस0डी0कालेज द्वारा प्रार्थित एम0बी0ए0 कक्षाएँ चलाने की अनुमति के सम्बन्ध में अनापत्ति व्यक्त करते हुए नियमानुसार पाठ्यक्रम चलाये जाने की सहमति प्रदान की तथा समस्त अपेक्षित औपचारिकताएँ पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

मद सं0-17 नव नियुक्त मानद निदेशक, सी0डी0सी0, डा0वी0एन0सेठ को नियोजन का अनुमोदन तथा उनके मानदेय दिये जाने के निर्णय पर विचार:

डा0वी0एन0सेठ इस समय सदन से बाहर चले गये।

कार्यपरिषद ने डा0एस0डी0मिश्रा, निदेशक, महाविद्यालय विकास परिषद के त्याग पत्र के कारण रिक्त पद पर डा0वी0एन0सेठ को मानद निदेशक, महाविद्यालय विकास परिषद की नियुक्ति का अनुमोदन किया तथा निश्चय किया कि इस कार्य हेतु डा0 सेठ को रू0 2000/= प्रति माह मानदेय के रूप में दिया जाए।

मद सं0-18 प्रौढ़ शिक्षा एवं जीवन विज्ञान संकाय में अध्यापकों की सेवा सम्पुष्टि पर विचार:

परिषद ने प्रौढ़ शिक्षा विभाग में सर्व श्री डा0आर0बी0एन0अग्निहोत्री तथा श्रीमती उपमा श्रीवास्तव के परियोजनाधिकारी पद को नये पद नाम परियोजनाधिकारी-सह-लेक्चरर पदों पर सेवा सम्पुष्टि स्वीकार किया। यह सम्पुष्टि तिथि पदों की स्वीकृति की तिथि से प्रभावी होगी।

इसी प्रकार जीवन विज्ञान संकाय में प्राध्यापक श्री सुधीर कुमार अवस्थी की सेवाएँ भी दिनांक 12-9-11 से सम्पुष्ट की गई।

मद सं0-19 शोध उपाधि समिति द्वारा संस्तुत डी0लिट0 प्रकरण के अनुमोदन पर विचार:

शोध उपाधि समिति द्वारा अभिविष्ट एवं संस्तुत डा0बी0पी0 नीलरतन, डी0लिट0 पंजीकरण के प्रकरण को परिषद ने अनुमोदित किया।

मद सं0-20 लेक्चरर पद की अर्हता के सम्बन्ध में परिनियम 11.13§1§ में संशोधन हेतु निदेशक, सी0डी0सी0 के प्रस्ताव पर विचार:

कुलसचिव ने डा0वी0एन0सेठ द्वारा प्रेषित निम्नांकित पत्र कार्यपरिषद के समक्ष प्रस्तुत किया:

STATUTES 11.13(1) OF THE FIRST STATUTES OF KANPUR UNIVERSITY, KANPUR

" In the case of any college affiliated with the University, the minimum qualifications for the post of lecturer in the Faculty of Arts (except the Department of Music, Drawing and Painting), and Faculties of Commerce, Science and Agriculture shall be Master's degree or an equivalent degree of an equivalent degree of a foreign University in the relevant subject with at least 55 marks or its equivalent grade

The candidate should have passed National Educational Test or accredited State level NET.

However, candidates who have submitted their Ph.D. thesis upto 31.12.1993 and candidates who have done M.Phil. before 31.12.92 have been exampted from passing NET examination for lecturership."

परिषद ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एतद् विषयक पत्रांक 4-2/90(एन ई टी) दिनांक जून, 1994 पर विचार किया तथा कानपुर विश्वविद्यालय प्रथम परिनियमावली 11.13(1) में संशोधन को सर्वसम्मति से अंगीकार किये जाने की स्वीकृति के साथ संशोधन की स्वीकृति हेतु नियमानुसार शासन को संदर्भित करने का निर्देश दिया।

द सं0-21 परीक्षा समन्वयक के पारिश्रमिक निर्धारण एवं उसके भुगतान पर विचार:

परिषद ने 1993 की परीक्षा में नियुक्त समन्वयकों (को-आर्डिनेटर्स) को पारिश्रमिक के रूप में प्रस्तावित रू0 27,000/= व्यय के भुगतान की स्वीकृति प्रदान की।

सं0-22 ग्रन्थालय विज्ञान पाठ्यक्रम समिति की संस्तुतियों पर विचार:

परिषद ने ग्रन्थालय विज्ञान उपाधि का तत्निमित्त गठित अध्ययन बोर्ड द्वारा प्रस्तावित एवं संस्तुत पाठ्यक्रम को लागू करने के लिए डा0वी0एन0 सेठ, निदेशक, सी0डी0सी0 को यू0जी0सी0 के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन पर संस्तुति हेतु अभिहस्त किया।

सं0-23 आय-व्ययक में शैक्षिक मद में प्राविधान बढ़ाये जाने के संबंध में परिषद ने निर्देश दिया कि वर्ष 1995-96 के बजट में इस मद का प्राविधान बढ़ाया जाए।

मद सं0-23 अध्यक्ष महोदय की अनुमति से किन्हीं अन्य आवश्यक प्रस्ताव पर विचार:

क- परिषद ने एम0सी0ए0विभाग के सम्बन्ध में निम्नांकित निर्देश प्रदान किया:-

§1§ विगत प्रवेश परीक्षा के अभ्यर्थियों को अंक-पत्र न भेजने के लिए आख्या माँगी जाए तथा आवश्यक कार्यवाही की जाए। अंक-पत्र प्रेषण के लिए पुनः निर्देशित किया जाए तथा आदेश की अवहेलना पर दण्ड की प्रक्रिया अपनाई जाए।

§2§ एम0बी0ए0 में प्रवेश संबंधी अध्यादेश/नियमावली में संशोधन हेतु एक समिति के गठन हेतु कुलपति को अधिकृत किया गया।

ख- §3§ कूटा के महामंत्री डा0एस0एस0पाण्डेय ने निम्नांकित प्रस्ताव किये:-

§1§ परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति समाप्त की जाए।

§2§ कम्प्यूटर द्वारा परिणाम तैयार कराने में अत्यधिक समय एवं त्रुटियों के आधार पर इस प्रणाली को समाप्त कर टेबुलेशन प्रक्रिया से परीक्षाफल तैयार कराया जाए।

§3§ कूटा के लिए एक कमरा दिया जाए।

§4§ कालेजों की भाँति विश्वविद्यालय में भी अध्यापकों की नियुक्तियों में न्यूनतम योग्यताओं के आधार पर गुणवत्ता संरक्षित की जाए।

परिषद ने उपर्युक्त प्रस्तावों पर विचारार्थ एक समिति के गठन हेतु कुलपति महोदय को अधिकृत किया। साथ ही उक्त समिति की संस्तुतियों को परिषद की आगामी बैठक में उपस्थापनार्थ निर्देश दिया।

ग- महाविद्यालय विकास समिति की संस्तुतियों पर विचार:

निदेशक, सी0डी0सी0 ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सी0डी0सी0 ने अपनी बैठक दिनांक 1-7-94 में निम्नांकित रोजगार परक पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने के सम्बन्ध में संस्तुति की है:

स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम

1- फन्क्शनल हिन्दी
2- फन्क्शनल अंग्रेजी
3- इलेक्ट्रानिक्स
4- ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान

स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम

1- एम0ई0एस0 - मास्टर इन इन्टायरमेन्टल साइंस
2- एम0टी0ए0एस0एस0-मास्टर इन टूरिज्म ऐडमिनिस्ट्रेशन एण्ड होटल मैनेजमेन्ट
3- एम0एफ0सी0 - मास्टर आफ फाइनेन्स एण्ड कन्ट्रोल

परिषद के कतिपय सदस्यों ने जीवन विज्ञान संकाय में परिगणित अन्य स्वीकृत विभागों में अध्यापन लागू करने का प्रस्ताव किया।

परिषद ने सी0डी0सी0 द्वारा संस्तुत 7 पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किये जाने की स्वीकृति प्रदान की।

घ- परिषद ने कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजकीय महाविद्यालयों के अध्यापकों केवल गठित शिक्षक संघ के पत्र दिनांक 9-7-94 की माँग को अस्वीकार किया।

उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद प्रदान करते हुए बैठक विसर्जित घोषित हुई।

§डा0राधेश्याम बंसल§
कुलसचिव
सचिव

§डा0विश्वम्भरनाथ उपाध्याय§
कुलपति
अध्यक्ष